# राजस्थान में किसान आन्दोलन

किसान आन्दोलन
- ⇒ बिजौलिया किसान आंदोलन
- ⇒ बेगूं किसान आंदोलन
- ⇒ बूंदी किसान आंदोलन
- ⇒ नीमूचाणा किसान आंदोलन
- ⇒ शेखावाटी किसान आंदोलन
- ⇒ जयसिंहपुरा किसान आंदोलन
- ⇒ बीकानेर किसान आंदोलन

राज० में किसान आन्दोलन के कारण —

- ⇒ लाग प्रथा ⇒ किसानों से अतिरिक्त कर वसूलना
- ⇒ बाग प्रथा / बेगार प्रथा ⇒ बिना पैसे के काम करवाना
- ⇒ न्यौत कर ⇒ राजकुमारी की शादी पर ठिकानेदारों द्वारा दिया जाने वाला कर
- ⇒ चंवरी कर ⇒ किसानों की शादी पर वसूला जाने वाला कर
- ⇒ गनीम बराड़ ⇒ युद्ध के दौरान लिया जाने वाला कर
- ⇒ उत्तराधिकार / तलवार बधाई / राज्याभिषेक कर ⇒

(i) **बिजौलिया किसान आंदोलन** ⇒ (1897 - 1941) ⇒ 44 वर्ष

↓ विश्व का सर्वाधिक लम्बे समय तक चलने वाला अहिंसात्मक किसान आंदोलन

- बिजौलिया ठिकाणा (भीलवाड़ा)
  - अधीन था ⇒ मेवाड़ रियासत का
  - क्या था ⇒ मेवाड़ का प्रथम श्रेणी का ठिकाणा था
  - बसाया था ⇒ अशोक परमार — इसको राणा सांगा ने प्रारंभ में उपरमाल की जागीर दी थी।
- यहाँ आन्दोलन करने वाले किसानों की जाति ⇒ धाकड़
- इस समय मेवाड़ का शासक ⇒ फतेहसिंह था
- यहां क्रमश ठिकानेदार ⇒ कृष्णसिंह → पृथ्वीसिंह → केसरीसिंह → अमरसिंह

- आंदोलन का कारण ⇒ 84 प्रकार का कर
  - ⇒ लाग-बाग प्रथा
- इस आंदोलन को **3 चरणों** में विभाजित किया था

**I-चरण (1897-1914)**
↓ नेतृत्वकर्ता
साधुसीताराम दास + ब्रह्मदेव + फतहकरण
↓
जाँच आयोग ⇒ हाकिम हुसैन आयोग

**II-चरण (1915-23)**
↓
विजयसिंह पथिक
↓
**जाँच आयोग**
↓
बिन्दुलाल भट्टाचार्य आयोग
रमाकान्त + तख्तसिंह + राजसिंह हॉकेण्ड आयोग

**III-चरण (1923-1941)**
↓
जमनालाल बजाज
माणिक्यलाल वर्मा
हरिभाऊ उपाध्याय

## I चरण (1897-1914)

⇒ ठिकानेदार ⇒ कृष्णसिंह
⇒ मेवाड़ शासक था ⇒ राणा फतहसिंह
⇒ आंदोलन प्रारम्भ ⇒ 1897 में गिरधारीपुरा गाँव में गंगाराम धाकड़ के यहाँ मृत्युभोज के अवसर पर किसान एकत्रित
⇒ किसान नियुक्त किए
  - ⇒ नानजी
  - ⇒ ठाकरी
  
  पटेल शिकायत लेकर फतहसिंह के पास गये थे
⇒ फतहसिंह ने जाँच आयोग भेजा ⇒ हाकिम हुसैन आयोग
  - ⇒ रिपोर्ट दी ⇒ किसानों के पक्ष में
  - ⇒ फतहसिंह ने कार्यवाही नहीं की।
⇒ कृष्णसिंह ने नानजी + ठाकरी पटेल को बिजोलिया से निष्कासित कर दिया।

- कृष्णसिंह ने 1903 में किसानों पर चंवरी कर लगाया।
  - अर्थ ⇒ किसानों की लड़कियों की शादी पर किया जाने वाला डरा कर।
  - मृत्यु ⇒ 1906
- नया ठिकानेदार बना ⇒ पृथ्वीसिंह
  - इसने 1906 में तलवार बधाई / राज्याभिषेक कर। उत्तराधिकारी कर लगाया।
- नेतृत्वकर्ता ⇒
  - साधुसीताराम दास
  - ब्रह्मदेव
  - फतहकरण
- पृथ्वीसिंह की 1914 में मृत्यु हुई तो इनका पुत्र केसरसिंह नया ठिकानेदार बना।
- असफल हुआ।

## II चरण ⇒ (1915-1923)

- नेतृत्व कर्ता ⇒ विजयसिंह पथिक
  - साधुसीताराम के कहने पर बिजौलिया 1916 में आए
  - साधुसीताराम + पथिक जी की मुलाकात चित्तौड़गढ़ में हुई थी।
  - जन्म ⇒ गुठावली गाँव (U.P)
  - वास्तविक नाम ⇒ भूपसिंह
  - किताब लिखी ⇒ what are the indian an state
  - मृत्यु ⇒ अजमेर
- पथिक जी ने पंचायत गठित की ⇒ ऊपरमाल पंच बोर्ड (must)
  - समय ⇒ 1917
  - दिवाली अमावस्या
  - अध्यक्ष ⇒ मन्ना पटेल

- खबर छपाई ⇒ **प्रताप समाचार पत्र**
  - चलाया था ⇒ गणेश शंकर विद्यार्थी
  - चलाया था ⇒ कानपुर (U.P)
- पथिक जी गाँधी जी मिलने गये तो गाधीजी मेवाड़ शासकों को पत्र लिख दिया।
- जाँच आयोग भेजा ⇒ **बिन्दुलाल भट्टाचार्य आयोग**
  - समय ⇒ अप्रैल 1919
  - रिपोर्ट दी ⇒ किसानों के पक्ष में
  - कार्यवाही नही की गई।
- पथिक जी संस्था की स्थापना करते है। ⇒ **राजस्तान सेवा संघ**
  - समय 1919 में वर्धा (M.P)
  - स्थानान्तरण किया 1920 अजमेर में
- **पथिक जी** ने स्वयं समाचार पत्र चलाए।
  - राज० केसरी ⇒ चलाया ⇒ वर्धा (M.P)
  - नवीन राज० } अजमेर में
  - तरुण राज० } अजमेर में
- **जाँच आयोग**
  - RTR रमाकान्त, तख्तसिंह, राजसिंह
  - 1920 मे आया
  - उदयपुर में इस आयोग से किसान मिले
  - रिपोर्ट दी ⇒ किसानों के पक्ष मे
- **AGG मि० हॉलैण्ड आयोग**
  - समय - फरवरी 1922
  - इन्होने किसानो के 35 प्रकार के कर माफ किए लेकिन ठिकानेदारो ने अमान्य कर दिए।
  - असफल

## III चरण (1923-41)

- नेतृत्व कर्ता
  - जमनालाल बजाज — उपनाम
    - गाँधी जी का 5 वाँ पुत्र
    - कैदी / गुलाम न॰ 5
  - माणिक्यलाल वर्मा
    - गीत ⇒ पछीड़ा गीत
    - ग्रंथ लिखा ⇒ मेवाड़ की वर्तमान अवस्था
    - उपनाम ⇒ मेवाड़ का गाँधी
  - हरिभाऊ उपाध्याय
    - उपनाम ⇒ द॰ साहब
- समझौता 1941 ⇒ भाग
  - मेवाड़ सरकार की तरफ से भाग लिया
    - विजयराघवचारी
    - विलकिसन
    - मोहनसिंह
  - किसानों की तरफ से ⇒ माणिक्यलालवर्मा

## बेगू किसान आन्दोलन

- मेवाड़ शासक ⇒ फतेहसिंह
- यहाँ का ठिकानेदार ⇒ अनूपसिंह
- आन्दोलन का कारण ⇒ लाग-बाग प्रथा
- किसानों की जाति ⇒ धाकड़ जाति
- नेतृत्वकर्ता ⇒ रामनारायण चौधरी
- आंदोलन शुरु हुआ ⇒ भैरूकुण्ड गाँव (मेनाल, भीलवाड़ा) में सभी किसान एकत्रित
- किसानों ने बेगू में अनूपसिंह के खिलाफ विद्रोह कर दिया।
- M बोल्शेविक समझौता 1922
  - स्थान ⇒ अजमेर
  - मध्य हुआ ⇒
    - किसानों की तरफ से भाग लिया ⇒ ~~अनूपसिंह~~ राज॰ सेवा संघ
    - ठिकाने के तरफ से अनूपसिंह ने।
- मेवाड़ सरकार ने अमान्य किया।
- अनुपसिंह से ठिकाणा छीन लिया।
- अनुपसिंह के स्थान पर नया ठिकाणेदार अमृतलाल को नियुक्त किया।
- जाँच आयोग आया ⇒ ट्रेंच आयोग ⇒ रिपोर्ट दी ⇒ किसानों के विपक्ष में।

→ किसानों ने बेगूं में अनुपसिंह के खिलाफ विद्रोह कर दिया।

→ गोविन्दपुरा काण्ड 13 July 1923

→ घटना ⇒ सभी किसान गोविन्दपुरा गाँव में एकत्रित हुए। जिन पर अंग्रेज अधिकारी ट्रेंच ने गोलीबारी करवादी और इस घटना में दो किसान रूपाजी और कृपा जी मारे गए।

## बूंदी किसान आन्दोलन

⇒ अन्य नाम ⇒ बरड किसान आन्दोलन
→ डाबी किसान आन्दोलन

⇒ आन्दोलन का कारण ⇒ लाग-बाग प्रथा

⇒ यह आन्दोलन किया था ⇒ बरड क्षेत्र के किसानों ने

→ यहां भवरलाल सोनी के नेतृत्व में आवाज उठाई थी।

⇒ नेतृत्व कर्ता ⇒ नयनूराम शर्मा

→ उपनाम ⇒ हाड़ौती का गाँधी

⇒ आन्दोलन को प्रभावी करने के लिए निर्धारित पंचायत स्थल → डाबी, गरदड़ा, लमाखोह, बरड

अध्यक्ष ⇒ हरला भड़क

⇒ जाँच के लिए आया ⇒ रामनारायण चौधरी

→ इसने पर्चे बटवाये ⇒ बूंदी राज्य में महिलाओं पर अत्याचार

⇒ डाबी काण्ड 2 Apr. 1923

→ घटना ⇒ डाबी गाँव में (बूंदी) में पंचायत आयोजित की गई थी जिस पर पुलिस अधिकारी इकराम ने गोलीबारी कर दी।

→ इसमें मारे गए किसान ⇒ → नानक भील ⇒ झण्डा गीत गाते हुए मारा गया
→ देवलाल गुर्जर

⇒ नानक भील का झण्डा गीत

⇒ गाढा रहिज्यो रे मरदां, सब दुख मिट जाए
सभां माइने आजाएगी, अन्याया की फौज
फिर भी कीयो सोच, गाढा रहिज्यो रे मरदा,,

⇒ अर्जीशीर्षक से गीत गाया :- मानक भील की याद में माणिक्यलाल वर्मा ने

⇒ इस आन्दोलन में जाज आयोग
- ⇒ भैरोलाल
- ⇒ पृथ्वीसिंह
- ⇒ रामप्रताप

> रिपोर्ट दी ⇒ ईकरार ~~चौधरी~~ हुसैन निर्दोष है।

## जयसिंहपुरा किसान आन्दोलन

- → यह अन्तर्गत था ⇒ जयपुर रियासत
- → ठिकाना ⇒ डुण्डलोद ठिकाणा था।
- → ठिकानेदार था ⇒ ईश्वरीसिंह ⇒ इसने किसानों की जमीन जब्त कर ली
- → ~~घटना~~ ⇒ जयसिंहपुरा काण्ड 21 जून 1935
  - → घटना ⇒ खेत जोत रहे किसानों पर ईश्वरीसिंह ने धारदार हथियारों के साथ आक्रमण किया जिसमें कई किसान घायल हो गए
- → इस घटना की सुचना ⇒ हरलालसिंह खर्रा ने जयपुर सरकार तक पहुचाई थी।
- → जाज आयोग ⇒ F·S यंग आयोग ⇒ रिपोर्ट दी ⇒ ईश्वरीसिंह किसानों का अपराधी है। इसे सजा दी जाए।

<u>note</u> ⇒ राज० का एकमात्र किसान आन्दोलन जयसिंहपुरा जिसमें किसानों के अपराधी ईश्वरीप सिंह को सजा दी गई थी।

# नीमूचाणा किसान आंदोलन

⇒ प्रारम्भ में ⇒ अलवर रियासत थी

- अलवर का राजा ⇒ जयसिंह
- किसान आंदोलन का कारण ⇒ जंगली सुअर
  - यह किसानों की खड़ी फसल नष्ट कर देते हैं।
  - रियासत में जंगली सुअर मारने पर प्रतिबंध था
- नेतृत्वकर्ता ⇒
  - माधोसिंह
  - गोविंदसिंह
  - oct 1924
- किसानों की जाति ⇒ राजपूत थी
- अखिल भारतीय राजपूत महासभा का आयोजन ⇒ 1925 में दिल्ली
  - इस दौरान पुष्कर पत्रिका में नीमूचाणा आंदोलन की खबर छापी गई।
- जाँच आयोग ⇒ रामभद्र ओझा आयोग ⇒ सार्थक सिद्ध नहीं हुआ।
- **नीमूचाणा काण्ड 14 मई 1925**
  - नीमूचाणा गाँव में किसानों की सभा आयोजित हुई जिसपर पुलिस कर्मचारी छाजूसिंह / छज्जूसिंह ने गोलीबारी करवा दी।
  - इस घटना में ⇒ 156 किसान मरे
  - महात्मा गाँधी ने समाचार पत्र "यंग इण्डिया" कहा
    - Double Distilled Dyrism / दोहरी डायरशाही
    - नीमूचाणा काण्ड जलियावाले काण्ड से भी वीभत्स था
    - दिल्ली में संचालित रियासत समाचार पत्र में ⇒ नीमूचाणा काण्ड की तुलना जलियावाला काण्ड से की गई है।
    - राज० का डायर ⇒ छज्जूसिंह

- जाँच आयोग आया ⇒ माणिलाल कोठारी आयोग
  - रिपोर्ट दी ⇒ डाकूसिंह को निर्दोष घोषित किया
- note ⇒ राज० का जनरल डायर कहा ⇒ डाकू / डूंगजी सिंह को
- अन्य जाँच आयोग ⇒ कन्हैयालाल कसेरी आयोग

## शेखावाटी किसान आंदोलन

- सीकर
- चूरू
- झुंझुनू
- नीम का थाणा

- किसानों की जाति ⇒ जाट
- आंदोलन का कारण ⇒ अचानक करों में वृद्धि
- यह क्षेत्र ठिकाणों में विभाजित था ⇒
  - कुण्डलोद
  - मलसीसर
  - मण्डावा
- नेतृत्वकर्ता ⇒
  - हरलाल
  - चेतराम
  - लेखराम

  इन्होंने आंदोलन प्रारम्भ किया।
- स्थापना ⇒ राज० जाट क्षेत्रीय सभा - 1931 में
- यहाँ आंदोलन को प्रभावी करने के लिए आयोजन किया था
  - महायज्ञ / महायज्ञ ⇒ 20 जनवरी 1934
    - आयोजन स्थल ⇒ पलथाना (सीकर)
    - पुरोहित था ⇒ खेमराज शर्मा
- चिड़ावा (झुंझुनू) में आंदोलन का नेतृत्वकर्ता ⇒ मास्टर प्यारेलाल गुप्ता
  - उपनाम ⇒ चिड़ावा का गाँधी

↳ संस्था बनाई ⇒ अमर सेवा समीति

↳ स्थापना समय ⇒ 1922

→ यहा जनता की आवाज उठाने आया था ⇒ रामनारायण चौधरी

↳ इसने तरुण राजस्थान समाचार पत्र में आन्दोलन की खबर छापी।

→ **कटरापल गाँव घटना (सीकर) 25 Apr 1934**

- 10,000 महिलाए एकत्रित हुई थी
- नेतृत्व कर्ता ⇒ किशोरी देवी
- भाषण दिया ⇒ उत्तमादेवी
- उद्देश्य था ⇒ सिहोट ठाकुर मानसिंह के विरुद्ध जिसने महिलाओ के साथ दुर्व्यवहार किया था।

→ **कूंदन काण्ड (सीकर) 25 Apr 1935**

- घटना ⇒ सीकर के कुदन गाँव में किसानो द्वारा सभा आयोजित की गई जब कैप्टन आधिकार वेब कर वसूलने आया तब वहाँ की धापी दादी ने विरोध किया तभी कैप्टन ने वहा गोली बारी करवा दी
- सबंधित महिला ⇒ धापी दादी
- मारे गए ⇒
  - चेतराम
  - लेखराम
  - टीकूराम
  - आशाराम

**NOTE** ⇒ राज० के एकमात्र घटना कूदन काण्ड जिसकी चर्चा ब्रिटिश संसद हाऊस of कॉमन्स में हुई।

# बीकानेर किसान आंदोलन

- दो भाग
  - गंगनहर किसान आन्दोलन
  - जागीरी किसान आन्दोलन

## गंगनहर किसान आन्दोलन

- आंदोलन किया ⇒ गंगनहर क्षेत्र के किसानों द्वारा
- गंगनहर का निर्माण हुआ ⇒ बीकानेर शासक गंगासिंह ने 1922-27 तक
- आंदोलन का कारण ⇒ गंगनहर में जल की आपूर्ति कम होना

## जागीरी किसान आंदोलन

- आंदोलन का कारण ⇒ 37 प्रकार के कर
- नेतृत्वकर्ता ⇒ जगजीवन चौधरी
- आंदोलन की शुरुआत हुई ⇒ उदासर गाँव। बीकानेर से 1937 में

## कांगड़ा काण्ड 1946

- घटना ⇒ 35 किसान शिकायत लेकर बीकानेर के राजा के पास जा रहे थे वहाँ जागीरदारों ने कांगड़ा गाँव में एकत्रित होकर इनके साथ मारपीट कर दी।

## दूधवाखारा किसान आंदोलन

- वर्तमान ⇒ चूरू
- प्रारम्भ में बीकानेर में था
- नेतृत्वकर्ता ⇒ हनुमान चौधरी
- इसके ठिकानेदार थे ⇒ सूरजमल